# 'ट्रेनर्स को ट्रेनिंग' वर्कशॉप के साथ वित्तीय हानि कम करने की मुहिम प्रारम्भ

## जयपुर डिस्कॉम के अधिकारियों को दृढ़ संकल्प से काम करने का आह्वान

जयपुर, 30 जून। जयपुर विद्युत वितरण निगम के सभी सर्किल अधिकारियों को गुरूवार को बिजली की वित्तीय हानि कम करने का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही ट्रेनर्स को ट्रेनिंग देने की वर्कशॉप का आयोजन करके प्रदेश में वित्तीय हानि पर अंकुश लगाने की मुहिम छेड़ दी गई है जिसके माध्यम से ढ़ेड साल में वित्तीय हानि 15 प्रतिशत लाने का सकल्प पूरा किया जाएगा।

इस अवसर पर विद्युत वितरण निगमों के अध्यक्ष श्रीमत पाण्डे और प्रमुख सचिव ऊर्जा संजय मल्होत्रा ने सर्किल अधिकारियों से इस अभियान को सफल बनाने के लिए दृढ़ संकल्प और पूरी लगन के साथ जुट जाने का आह्वान किया। आज की वर्कशॉप के बाद जयपुर विद्युत वितरण निगम के सभी अधीक्षण अभियन्ताओं को यह जिम्मेदारी सौपी गई है कि वे इस कार्य योजना को सफल बनाने के लिए जल्दी से जल्दी अपने सर्किल में कार्यरत सहायक अभियन्ता, कनिष्ठ अभियन्ता और फीडर इंचार्ज को प्रशिक्षण देने में जुट जाए। इस कार्य योजना को 15 जुलाई से क्रियान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।

डिस्कॉम अध्यक्ष और मल्होत्रा ने वर्कशॉप में भाग लेने आये प्रतिभागियों को जानकारी दी कि मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने अजमेर दौरे पर बिठुर जीएसएस पर हुए कार्य को देखा और इसकी सराहना की। मल्होत्रा ने बताया कि इस अभियान को राजनीतिक समर्थन मिलने के साथ ही प्रशासनिक सहयोग भी सामने आया है और मुख्य सचिव ने इस बारे में सभी जिला कलेक्टरों को पत्र लिखा है। उनका कहना था कि सभी पक्षों का सहयोग मिलने के बाद अब वित्तीय हानि कम करने के कार्य की सफलता इंजीनियरों पर निर्भर करती है और उन्हें आशा है कि वे तन मन से इस कार्य को पूरा करने में कोई कसर नही रखेंगे।

राज्य सरकार के ऊर्जा सलाहकार आर.जी. गुप्ता ने कार्य योजना पर विस्तार से प्रकाश डाला और इसकी क्रियान्विति को लेकर उठी शंकाओं का भी समाधान किया। उनका कहना था कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए व्यवस्था के प्रति समर्पण होना मुख्य होता है। गुप्ता ने कहा कि पिछले समय में भी छीजत कम करने प्रयास किये गये हैं और कई सर्किल में इसमें कमी आई है तो कुछ में थोड़ी बढ़ोतरी भी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि सर्किल में अधिकारी अपनी और से छीजत कम करने के प्रयास में जुटे रहे है और उन्हे आशा है कि काम करने की भावना प्रबल होगी तो औद्योगिक क्षेत्र, शहरी क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्रों में इस अभियान को पूरी सफलता मिलेंगी।

गुप्ता ने बताया कि यह कार्य योजना तीन चरणों में क्रियान्वित की जायेगी, जिसमें पहले चरण में अत्यधिक हानि वालें फीडरों में सुधार का कार्य किया जायेगा, यह कार्य दिसम्बर 2016 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। दूसरे चरण का कार्य जून 2017 ओर तीसरे चरण का कार्य दिसम्बर 2017 तक पुरा किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने बताय कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक फीडर पर प्रभावी मोनिटरिंग की व्यवस्था की जायेगी, ओर इसके लिए फीडर मेनेजमेंट कमेटी का गठन किया जाएगा। जिसकी हर महीने एक

बैठक होगी, ओर उसमे क्षेत्रीय कनिष्ठ अभियन्ता गांव वालों को नये आदेश और परिपत्रों की जानकारी देकर बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के महत्व को बतायेगा। समय समय पर इन बैठकों में वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगें। गुप्ता ने कहा कि इस योजना में प्रत्येक फीडर को विस्तृत ब्यौरा तैयार किया जाएगा और फीडर इचार्ज की यह जिम्मेदारी होगी कि वह अपने क्षेत्र में बिजली की मांग और आपूर्ति के पूरे विवरण पर निगरानी रखेगा।

इससे पूर्व आज सवेरे जयपुर डिस्कॉम क्षेत्र में वित्तीय हानि कम करने के उपायों की समीक्षा की गई। निगम के प्रबन्ध निदेशक अनिल कुमार बोहरा ने सर्किलवार वित्तीय हानि पर विस्तार से जानकारी ली और अत्यधिक छीजत वाले सर्किल इंजीनियरों को हिदायत दी कि वे अपने क्षेत्र में सुधार करे अन्यथा निगम को उनके प्रति कड़ा रूख अपनाना पड़ेगा।

.....